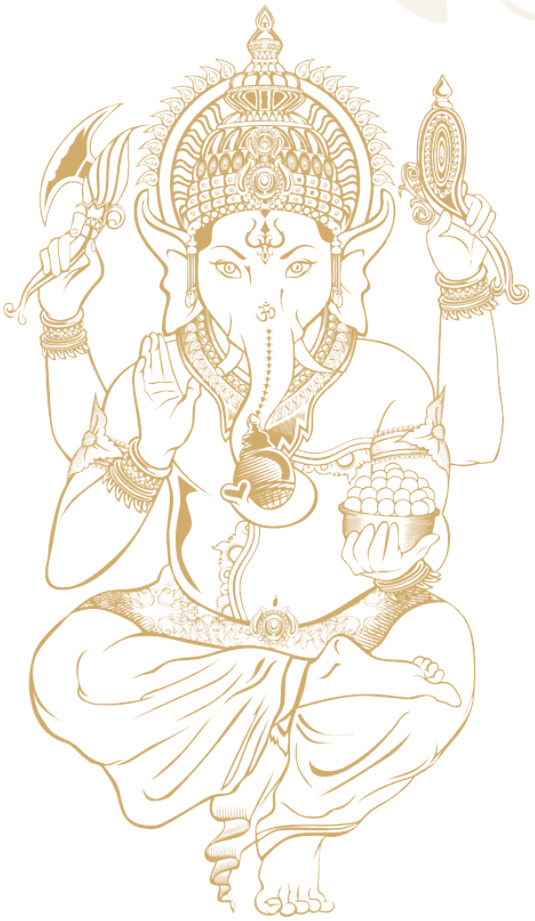

Ms. Shalini Sharma

06 Aug 1999

01:14 AM

Simla

Model: web-freekundliweb

Order No: 120861205

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**5-06/08/1999**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**01:14:00 घंटे**
इष्ट	48:53:57 घटी
स्थान	**Simla**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:06:00 उत्तर
रेखांश	77:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:52:40 घंटे
वेलान्तर	-00:06:02 घंटे
साम्पातिक काल	21:48:20 घंटे
सूर्योदय	05:40:25 घंटे
सूर्यास्त	19:13:47 घंटे
दिनमान	13:33:22 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	19:05:45 कर्क
लग्न के अंश	19:01:28 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वृद्धि
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	उ-उपासना
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	19:01:28	367:46:37	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	---
सूर्य			कर्क	19:05:45	00:57:28	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	मित्र राशि
चंद्र			वृष	03:38:07	14:18:44	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			तुला	19:58:42	00:31:23	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	सम राशि
बुध	व		कर्क	04:44:29	00:02:04	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
गुरु			मेष	10:31:54	00:03:44	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र	व		सिंह	10:23:13	00:15:55	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
शनि			मेष	22:49:06	00:02:31	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु	व		कर्क	19:06:23	00:00:01	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	19:06:23	00:00:01	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	21:02:45	00:02:24	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
नेप	व		मक	08:50:48	00:01:36	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	13:56:14	00:00:26	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			कुंभ	00:56:21	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:53

लग्न-चलित

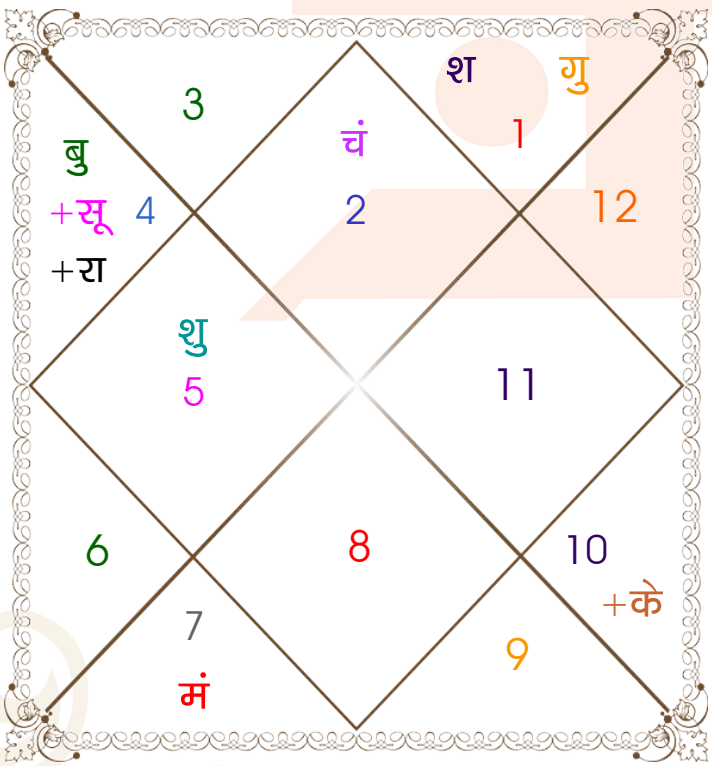

चन्द्र कुंडली

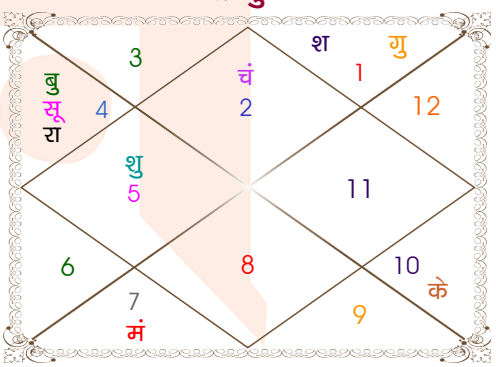

नवमांश कुंडली

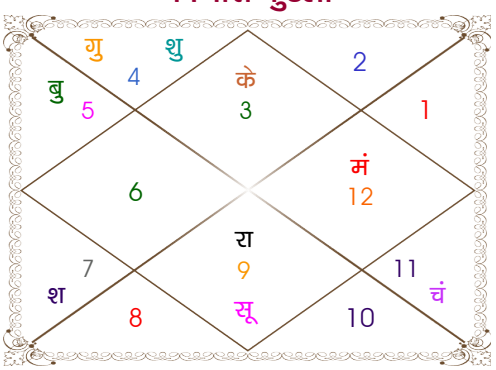

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 10 मास 11 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
06/08/1999		17/06/2002		16/06/2012		17/06/2019		16/06/2037	
17/06/2002		16/06/2012		17/06/2019		16/06/2037		16/06/2053	
	00/00/0000	चंद्र	17/04/2003	मंगल	12/11/2012	राहु	27/02/2022	गुरु	05/08/2039
	00/00/0000	मंगल	16/11/2003	राहु	01/12/2013	गुरु	23/07/2024	शनि	15/02/2042
	00/00/0000	राहु	17/05/2005	गुरु	07/11/2014	शनि	30/05/2027	बुध	23/05/2044
	00/00/0000	गुरु	16/09/2006	शनि	17/12/2015	बुध	16/12/2029	केतु	29/04/2045
	06/08/1999	शनि	16/04/2008	बुध	13/12/2016	केतु	04/01/2031	शुक्र	29/12/2047
शनि	04/04/2000	बुध	16/09/2009	केतु	11/05/2017	शुक्र	03/01/2034	सूर्य	16/10/2048
बुध	09/02/2001	केतु	17/04/2010	शुक्र	11/07/2018	सूर्य	28/11/2034	चंद्र	15/02/2050
केतु	16/06/2001	शुक्र	17/12/2011	सूर्य	16/11/2018	चंद्र	29/05/2036	मंगल	22/01/2051
शुक्र	17/06/2002	सूर्य	16/06/2012	चंद्र	17/06/2019	मंगल	16/06/2037	राहु	16/06/2053

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
16/06/2053		16/06/2072		16/06/2089		16/06/2096		17/06/2116	
16/06/2072		16/06/2089		16/06/2096		17/06/2116		00/00/0000	
शनि	19/06/2056	बुध	13/11/2074	केतु	13/11/2089	शुक्र	17/10/2099	सूर्य	05/10/2116
बुध	27/02/2059	केतु	10/11/2075	शुक्र	13/01/2091	सूर्य	17/10/2100	चंद्र	05/04/2117
केतु	07/04/2060	शुक्र	10/09/2078	सूर्य	21/05/2091	चंद्र	18/06/2102	मंगल	11/08/2117
शुक्र	08/06/2063	सूर्य	17/07/2079	चंद्र	20/12/2091	मंगल	18/08/2103	राहु	06/07/2118
सूर्य	20/05/2064	चंद्र	16/12/2080	मंगल	17/05/2092	राहु	18/08/2106	गुरु	24/04/2119
चंद्र	19/12/2065	मंगल	13/12/2081	राहु	04/06/2093	गुरु	18/04/2109	शनि	07/08/2119
मंगल	28/01/2067	राहु	01/07/2084	गुरु	11/05/2094	शनि	17/06/2112		00/00/0000
राहु	04/12/2069	गुरु	07/10/2086	शनि	20/06/2095	बुध	18/04/2115		00/00/0000
गुरु	16/06/2072	शनि	16/06/2089	बुध	16/06/2096	केतु	17/06/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 10 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के तृतीय चरण में वृष लग्न के उदय काल हुआ था। जन्मकाल के समय ही मिथुन के नवमांश में कन्या द्रेष्काण भी उदित था। इस विन्दु पर जन्म के फलस्वरूप आपका जीवन सुखद, आरामदायक धन धान्य से पूर्ण आनंददायक जीवन व्यतीत होने की संभावनाओं का भी सृजन हुआ है।

आप व्यक्तिगत रूप से कठिन श्रम की भावना से समर्पित प्राणी हैं। आप अपने उद्य `श्यित कार्य को यथार्थता के साथ स्पष्ट रूप से संपादित करेंगी।

आप धन-धान्य की प्रर्याप्त प्राप्ति हेतु समझ से पूर्व नियत स्थान पर पहुंचने का निर्णय करेंगी। परंतु आप अपनी यह धारणा ग्रहण करें कि अतिरिक्त विकास एवं पूर्ण सफलता प्राप्ति हेतु अपने उद्देश्य का संपादन कर लेंगी। वास्तव में आपके लिए आकस्मिक रूप से मात्र आलस्यपूर्ण प्रवृत्ति का त्याग करना ही उत्तम होगा।

आप पहले से ही धन की महत्ता से परिचित हैं। आप कठिन श्रम एवं दुरुह रास्ते से धनोपार्जन करेंगी तथा धन के व्यय पर सतर्क भी रहेंगी। आप निश्चित रूप से बहुत उत्तम प्रकार के भौतिक सुख प्राप्ति हेतु, धनकोष का संग्रह करेंगी।

आप वित्तीय विषयक किसी भी प्रकार का दुरुपयोग सा सामंजस्य नही करेंगी।

आप अत्यंत धन संचय करने के लिए लोभ की पराकाष्ठा तक पहुंची हुए प्राणी हैं। आप में पूर्ण विश्वसनीयता विद्यमान है। आप किसी का धन अनीतिपूर्ण ढंग से नही प्राप्त करना चाहती बल्कि आप धन प्राप्ति के लिए उपयुक्त सुअवसर पर ऐसा कार्यान्वयन करती हैं। क्योंकि सत्य तो यह है कि आप धन प्राप्ति संबंधी योजनाओं को सांसारिक रीति से बुद्धिमत्तापूर्वक समर्पित भाव से कार्य रूप देती हैं। साथ ही अन्य लोगों को भी धन प्राप्ति के लिए मार्ग दर्शन करती हैं।

आप किसी के साथ छेड़खानी करना या किसी पर आक्रमण करने पर विश्वास नही करती। आप एक आस्तिक प्राणी हैं। आप अपनी स्पष्ट वादिता पूर्वक संतोषजनक सफलता या, निकटता हेतु किसी को भी तरजीह देती हैं। परंतु जब कोई किसी भी समय या अवसर पर कोई शत्रुता पूर्वक आप से ईर्ष्या करता है तो आप उसके प्रगति के पथ पर अवरोधक उत्पन्न करने का प्रयास करती हैं। आपका प्रदर्शन बाधा पूर्ण एवं विध्वांसात्मक रूप से व्यवधान कारक हो जाता हैं अस्तु आप अपने धैर्य को सीमा के बाहर जाने के लिए सतर्क रहें। अर्थात् अपने धैर्य का संतुलन बनाए रक्खें।

आप स्वाभाविक रूप से यांत्रिक कला में दक्ष एवं परिश्रम तथा समुचित खोजकर अपने लक्ष्य तक पहुंचने वाली प्राणी हैं। आप सामान्यतया प्रशासनिक सेवा कार्य हेतु उपयुक्त हैं। यथा होटल प्रबंधक, अथवा सौंदर्य प्रसाधित व्यवसाय आदि तथा आपकी रूचि साहित्यिक भावनानुसार हो, तों आप उच्च कोटि की लेखक भी हो सकते है यदि आप में लेखन कला एवं क्षमता विद्यमान हो।द्यपि आप मध्यम कद की ऊंची कंधे वालीं, उभरी छाती, उन्नत ललाट एवं

चमकीली आखों से युक्त सुंदर व्यक्तित्व की जीव हैं। आप से विपरीत योनि के प्राणी (पुरुष) आकर्षित रहेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन अति आनंददायक साथ-साथ कठिन एवं कोई न कोई आर्थिक समस्याओं से सदैव युक्त रहेगा। साथ ही आपका पारिवारिक जीवन सुव्यवस्थित रहेगा। आप अपने नजदीकी और प्रियजनों को यथेष्ठ प्यार और सम्मान देंगी। आप अपने गले के रोग एवं टोनशील रोग के प्रति रक्षात्मक भावना रक्खें तथा कफ जनित तथा शीत प्रकोप से गले में होने वाले कष्ट तथा रोगों एवं पैरों की सूजन तथा दर्द की रक्षा हेतु सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

इसके अतिरिक्त आपके लिए अंक 2 तथा 8 अंक लाभदायक है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्यागनीय है। इसी प्रकार लाल रंग भी आपके लिए प्रतिकूल है। जबकि, आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग हरा, सफेद एवं गुलाबी रंग है।